हे अम्बे माँ भवानी दर पे तुम्हारे आये लिरिक्स

हे अम्बे माँ भवानी,
दर पे तुम्हारे आये,
तेरे सिवा हे मईया,
दुखड़ा किसे सुनायें,
जय जय जय जय अम्बे माँ,
जय जय जय जय अम्बे माँ।bd।

तर्ज – ओ नन्हें से फ़रिश्ते।

है क्या कसूर मेरा,
तुमने मुझे बिसारा,
अच्छा हूँ या बुरा हूँ,
बालक हूँ माँ तुम्हारा,
दर छोड़कर तुम्हारा,
कहीं और हम ना जायें।bd।

है आसरा तुम्हारा,
विश्वास है हमारा,
श्रद्धा और भावना से,
जिसने तुम्हें पुकारा,
सुनकर पुकार तूने,
संकट से है बचाये।bd।

ना जाने ज़िन्दगी की,
कब डोर टूट जाये,
चरणों से तेरे लौ मेरा,
हरगिज़ न छूट पाये,
रग-रग में तेरी भक्ति,
मन में मेरे समाये।bd।

जीवन की डोर मेरी,
तेरे है अब हवाले,
फिर कौन 'परशुराम' को,
तेरे सिवा संभाले,
किसी एक का भरोसा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दुनिया ने है सताये।bd।

हे अम्बे माँ भवानी,
दर पे तुम्हारे आये,
तेरे सिवा हे मईया,
दुखड़ा किसे सुनायें,
जय जय जय जय अम्बे माँ,
जय जय जय जय अम्बे माँ।bd।

लेखक एवं प्रेषक – परशुराम उपाध्याय।
श्रीमानस मण्डल, वाराणसी।
9307386438

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com